IJ-1004

B.A. (Part - I)

Term End Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper - I

प्राचीन हिन्दी काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अनर्गल लेखन पर अंक काटे जायेंगे। एक प्रश्न के खंड यथासंभव एक स्थान पर लिखें।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3

(क) राम रसाइण प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल।
कबीर पीवण दुर्लभ है, मांगै सीस कलाल॥
कबीर भाठी कलाल की, बहुतक बैठे आइ।
सिर सौंपे सोई पीवै, नहीं तौ पीया न जाई॥

अथवा

पाट महादेइ! हिये न हारू।
समुझि जीउ, चित चेतु संभारू॥
भौंर कँवल संग होई मेरावा।
सँवरि नेह मालति पहँ आवा॥
पपिहै स्वाती सौं जस प्रीती।
टेकु पियास, बांधु मन थीती॥
धरति हि जैस गगन सौं नेहा।
पलटि आव बरसा रितु मेहा॥
पुनि बसंत रितु आव नवेली।
सो रस, सो मधुकर, सो बेली॥
जिनि अस जीव करसि, तू बारी।
यह तरिवरि पुनि उठिहिं सँवारी॥
दिन दस बिनु जल सूखि विधंसा।
पुनि सोई सरवर, सोई हंसा॥
मिलहिं जो बिछुरे साजन, अंकम भेंटि गहंत।
तपनि मृगसिरा जे सहै, ते अद्रा पलुहंत॥

(ख) हम सो कहत कौन की बातें?
सुनि ऊधौ! हम समुझत नाहीं, फिरि पूछति हैं तातें॥
को नृप भयो कंस किन मारयो को वसुधौ-सुत आहि?

यहाँ हमारे परम मनोहर जीजतु है मुख चाहि॥
दिन प्रति जात सहज गोचारन गोप सखा लै संग।
बासरगत रजनी मुख आवत करत नयन गति पंग॥
को व्यापक पूरन अविनासी, को विधि वेद अपार।
सूर वृथा बकवाद करत हौ या ब्रज नन्द कुमार॥

अथवा

जब ते रामु ब्याहि घर आए।
तिन नव मंगल मोद बधाए॥
भुवन चारिदस भूधर भारी।
सुकृत मेघ बरषहिं सुख बारी॥
रिधि सिधि सम्पति नदीं सुहाई।
उमगि अवध अंबुधि कहुँ आई॥
मनिगन पुर नर नारि सुजाती।
सुचि अमोल सुन्दर सब भाँती॥
कहि न जाइ कछु नगर बिभूति।
जनु एतनिअ बिरंचि करतूती॥
सब बिधि सब पुर लोग सुखारी।
रामचंद मुख चंदु निहारी॥

(ग) घनआनंद जीवनमूल सुजान की कौंधन हूँ न कहूँ दरसैं।

सुन जानियै धौं कित छाय रहे दृग चातक प्रान तपे तरसैं।

बिन पावस तौं इन ध्यावस हो न, सु क्यौं करि यौं अब सो परसैं।

बदरा बरसैं रितु मैं घिरिकै नित ही अँखिया उघरी बरसैं।

अथवा

आँखैं जौ न देखैं तौं कहा है कुछ देखति ये,

ऐसी दुखहाइनि की दसा आय देखियै।

प्रानन के प्यारे जान रूप उजियारे, बिना,

मिलन तिहारे इन्हें कौन लेखे लेखियै।

नीर न्यारे मीन औ चकोर चंदहीन हूँ ते,

अति ही अधीन दीन गति मति पेखियै।

हौं जू घनआनंद ढरारे रस भरे भारे,

चातक बिचारे सों न चूकनि परखियै।

2. "कबीर ने रूढ़िगत मान्यताओं, परम्पराओं और आडंबरों का खण्डन कर समाज सुधार का पुनीत कार्य किया है।" सोदाहरण समझाइए। 7

अथवा

"नागमती का विरह वर्णन हिन्दी साहित्य में अद्वितीय है।" इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

3. "तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।" इस कथन पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 7

अथवा

"सूर के भ्रमरगीत का उद्देश्य निर्गुण पर सगुण की विजय है।" सोदाहरण समझाइए।

4. "घनानंद की प्रेम व्यंजना वैविध्यमयी एवं मार्मिक है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए। 7

अथवा

घनानंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का उल्लेख कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3

(क) रहीम के दोहे

(ख) रीतिकाल की उपलब्धियाँ

(ग) रसखान के काव्य की विशेषताएँ

(घ) विद्यापति के काव्य में भक्ति और श्रृंगार

(ङ) निर्गुण भक्ति काव्य

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×15

(क) स्वच्छंद काव्यधारा के एक कवि का नाम लिखिए।

(ख) कबीर के गुरु कौन थे?

(ग) जायसी किस शाखा के कवि थे?

(घ) घनानंद की प्रेयसी का नाम क्या था?

(ङ) हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग किसे माना जाता है?

(च) 'साहित्य लहरी' के रचयिता का नाम बताइए।

(छ) रहीम का पूरा नाम क्या है?

(ज) 'साखी' शब्द का क्या अर्थ है?

(झ) वात्सल्य रस का सम्राट किस कवि को कहा जाता है?

(ञ) किस कवि को मैथिल कोकिल कहा जाता है?

(ट) हीरामन तोता किस महाकाव्य का पात्र है?

(ठ) प्राचीन हिन्दी काव्य संकलन के संपादक का क्या नाम है?

(ड) विनयपत्रिका किसकी रचना है?

(ढ) रसखान के काव्य में किसकी भक्ति मिलती है?

(ण) कबीर की काव्य भाषा को किस नाम से पुकारा जाता है?

(त) पद्मावती कहाँ की राजकुमारी है?

(थ) रास पंचाध्यायी किसकी रचना है?

(द) भ्रमरगीत नाम क्यों पड़ा?

(ध) ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि कौन हैं?

(न) रसखान ने किससे दीक्षा ली थी?

———

IJ-1005

B.A. (Part - I)

Term End Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी कथा साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3

(क) रिश्वत में उसने हजारों रुपये मारे थे, पर कभी एक क्षण के लिए भी उसे ग्लानि न आयी थी। रिश्वत बुद्धि से, कौशल से, पुरुषार्थ से मिलती है। दान पौरूषहीन,

कर्महीन या पाखण्डियों का आधार है। वह सोंच रहा था— मैं अब इतना दीन हूँ कि भोजन और वस्त्र से लिए मुझे दान लेना पड़ता है।

अथवा

'हाय, न जाने उसे कभी लौटना भी होगा या नहीं। फिर यह सुख के दिन कहाँ मिलेंगे। यह दिन तो गए हमेशा के लिए। इसी तरह सारी दुनियाँ से मुँह छिपाए, वह एक दिन मर जायेगा। कोई उसकी लाश पर आँसु बहाने वाला भी न होगा। घर वाले भी-रो-धोकर चुप ही रहेंगे। केवल थोड़े से संकोच के कारण उसकी यह दशा हुई।'

(ख) चोर से ज्यादा फिक्र थी आबरू की। किवाड़ न रहने पर पदा ही आबरू का रखवाला था। वह पर्दा भी तार-तार होते-होते एक रात आंधी में किसी भी हालत में लटकने लायक न रह गया। दूसरे दिन घर की एकमात्र पुश्तैनी चीज दरी दरवाजे पर लटक गई।

अथवा

'भीषण घात-प्रतिघात प्रारंभ हुआ। दोनों कुशल, दोनों त्वरित गति वाले थे। बड़ी निपुणता से बुद्धगुप्त ने अपना कृपाण दाँतों से पकड़कर अपने दोनों हाथ स्वतंत्र कर लिए। चम्पा भय और विस्मय से देखने लगी, नायक प्रसन्न हो गए। परन्तु बुद्धगुप्त ने लाघव से नायक का कृपाण वाला हाथ पकड़ लिया और विकट हुंकार से दूसरा हाथ कटि में डाल दिया व गिरा दिया। दूसरे ही क्षण प्रभात की किरणों में बुद्धगुप्त का विजयी कृपाण उसके हाथों में चमक उठा। नायक की कायर आँखें प्राण भिक्षा मांगने लगी।'

(ग) 'घीसू खड़ा हो गया और जैसे उल्लास की लहरों में तैरता हुआ बोला हाँ, बेटा बैकुण्ठ में जायेगी। किसी को सताया नहीं। किसी का दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिंदगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गयी। वह न बैकुण्ठ में जायेगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जायेंगे। जो गरीबों को

दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं।'

अथवा

'भानू को याद आइ कि विवाह में सिरचन के हाथ की शीतल पाटी दी थी माँ ने। ससुराल वालों ने न जाने कितनी बार खोलकर दिखलाया था पटना और कलकत्ता के मेहमानों को। वह उठकर बड़ी भाभी के कमरे में चली गई। मैं सिरचन को मनाने गया। देखा एक कटी हुई शीतल पाटी पर लेटकर वह कुछ सोच रहा है। मुझे देखने ही बोला बबुआजी? अब नहीं। कान पकड़ता हूँ अब नहीं। मोहर छाप वाली धोती लेकर क्या करूंगा।'

2. 'गबन' उपन्यास की नायिका 'जालपा' के चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 12

अथवा

'गबन' उपन्यास में वर्णित विभिन्न समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

3. कहानी के तत्वों के आधार पर यशपाल जी की कहानी 'परदा' की विशेषताएँ बताइए। 12

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'गदल' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×3

(क) 'बिरादरी बाहर' की प्रमुख समस्या।

(ख) उपेन्द्रनाथ अश्क के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'ठेस' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद की कहानियों की विशेषताओं का चित्रण कीजिए।

(ङ) शिवानी के कथा साहित्य पर प्रकाश डालिए।

5. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(*i*) जालपा की सहेली का नाम क्या है ?

(*ii*) हिन्दी की पहली मौलिक कहानी का नाम लिखिए।

(*iii*) माधव और धीसू किस कहानी के पात्र हैं ?

(*iv*) 'गबन' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।

(*v*) रक्खे पहलवान ने किसको मौत के घाट उतार दिया था ?

(*vi*) 'गदल' के बेटे का नाम क्या है ?

(*vii*) आपके पाठ्यपुस्तक में शामिल आंचलिक कहानी का नाम लिखिए।

(*viii*) 'बुद्धगुप्त' कौन सी कहानी के नायक हैं ?

(*ix*) 'चम्पाद्वीप' किसके नाम पर रखा गया है ?

(*x*) 'मालती' ने किससे शादी की थी ?

2.

(ख) निम्नलिखित के सही जोड़े बनाइए : 5

(*I*) फणीश्वरनाथ रेणु	(*i*) अकाशदीप
(*II*) प्रेमचंद	(*ii*) ठेस
(*III*) जयशंकर प्रसाद	(*iii*) कफ़न
(*IV*) रांगेय राघव	(*iv*) चीफ की दावत
(*V*) भीष्म साहनी	(*v*) गदल